Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 03 June 2024

Dainik Jagran Page - 02

कुलाधिपति को दी नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की जानकारी

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रगति की जानकारी देतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन • सौ. गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने रविवार को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में शुरू किए गए नवाचारों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के लिए उठाए गए कदमों से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि सत्र 2023-24 की परीक्षाएं अंतिम चरण में हैं। सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए प्रक्रिया चल रही है। देश के विभिन्न हिस्सों से छात्रों ने बड़ी संख्या में प्रवेश के लिए रुचि दिखाई है।

यह और अन्य खबरें देखें-
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

Amar Ujala page - 05

कुलपति ने कुलाधिपति से की शिष्टाचार भेंट

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने रविवार को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में शुरू किए गए नवाचारों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के लिए उठाए गए कदमों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सत्र 2023-24 की परीक्षाएं अंतिम चरण में हैं। सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए प्रक्रिया चल रही है। देश के विभिन्न हिस्सों से छात्रों ने बड़ी संख्या में प्रवेश के लिए रुचि दिखाई है। संवाद

प्रो. पूनम टंडन ने रविवार को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। स्रोत- डीडीयू

Amar Ujala Select Page 04

राजभवन में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट करतीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो पूनम टंडन।

कुलपति ने कुलाधिपति से की शिष्टाचार भेंट

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने रविवार को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय में शुरू किए गए नवाचारों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के लिए उठाए गए कदमों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सत्र 2023-24 की परीक्षाएं अंतिम चरण में हैं। सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए प्रक्रिया चल रही है। देश के विभिन्न हिस्सों से छात्रों ने बड़ी संख्या में प्रवेश के लिए रुचि दिखाई है।

Hindustan Page 05

रविवार को राजभवन में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट के दौरान डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

कुलपति ने कुलाधिपति से की शिष्टाचार भेंट

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने रविवार को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने राज्यपाल को गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू किए गए नवाचारों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के लिए उठाए गए कदमों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सत्र 2023-24 की परीक्षाएं अंतिम चरण में हैं। उन्होंने राज्यपाल को जानकारी दी कि सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए प्रक्रिया चल रही है।

संगीत से आत्म प्रकटीकरण करना सम्भव

गोरखपुर। डीडीयू के मनोविज्ञान विभाग में चल रहे वैल्यू एडेड कोर्स के आठवें दिन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के डॉ दुर्गेश उपाध्याय मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि संगीत के माध्यम से आत्म प्रकटीकरण करना संभव है। स्व प्रकटीकारण किसी अन्य व्यक्ति को अपने बारे में व्यक्तिगत जानकारी प्रकट करने का कार्य है। डॉ गरिमा सिंह ने विषाक्त संबंधों के बारे में जानकारी दी। संचालन डॉ रश्मि रानी किया।

Swatantra Chetna Page - 05

संगीत के माध्यम से आत्म प्रकटीकरण करना सम्भव: डॉ दुर्गेश

☐ विषाक्त संबंध की पहचान ही उसके रोकथाम का बेहतर जरिया: डॉ गरिमा सिंह

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर।मनोविज्ञान विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इन्हेरिंग इंटरपर्सनल रिलेशनशिप्स स्किल्स विषय पर ऑनलाइन हायैल्यू एडेड कोर्सेज़ के आठवें दिन मुख्य वक्ता के रूप में डॉ दुर्गेश उपाध्याय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी रहे।अपने उद्बोधन में डॉ दुर्गेश उपाध्याय ने बताया कि स्व प्रकटीकारण किसी अन्य व्यक्ति को अपने बारे में व्यक्तिगत जानकारी प्रकट करने का कार्य है। यह जानकारी वर्णनात्मक या मूल्यांकन हो सकती है, इसमें

विचारों, भावनाओं,आकांक्षाएं, लक्ष्य असफलताएं, सफलताएं और सपने शामिल हो सकते हैं। साथ ही किसी की पसंद ना पसंद भी शामिल हो सकती है। और साथ ही उन्होंने स्व प्रकटीकरण के स्तरों के बारे में, उनके महत्व और उनके नकारात्मक परिणामों के बारे में बताया।

तत्पश्चात आज के तकनीकी सत्र के दूसरे मुख्य वक्ता डॉ गरिमा सिंह ने विषाक्त संबंधों के बारे में बात की। अपने संबोधन में, उन्होंने विषाक्त संबंधों की पहचान करने के संकेतों और इससे उबरने के तरीकों का भी उल्लेख किया। उन्होंने शारीरिक हिंसा, मनोवैज्ञानिक हिंसा, गैसलाइटिंग, दोषारोपण का खेल, प्रकृति को नियंत्रित करने, अधिकार, उपेक्षा के बारे में एक विषाक्त रिश्ते के कुछ संकेतों के रूप में उल्लेख किया। डॉ गरिमा ने बताया कि यह महत्वपूर्ण है कि हम ये पहचान करें कि किस रिश्ते में हमें रहना है, परंतु उससे अधिक उल्लेखनीय है कि हम किस रिश्ते से बाहर निकलें।

राज्यपाल से कुलपति ने की शिष्टाचार भेंट

गोरखपुर।कुलपति प्रो पूनम टंडन ने आज राजभवन में कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने महामहिम को विश्वविद्यालय में शुरू किए गए नवाचारों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के लिए उठाए गए कदमों से अवगत कराया।